आकाशवाणी केन्द्र शिमला

22.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। एक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि यह विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह प्रदेश के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास का भी प्रतिबिंब है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने देश और प्रदेश को ऐसे मेधावी छात्र दिए हैं, जो आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके हैं और विश्वभर में हिमाचल का नाम रोशन कर रहे हैं। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आज सूचना प्रौद्योगिकी का समय है। प्रौद्योगिकी व नवाचार के इस युग में हमें भी समय के साथ चलना होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय भविष्य में प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

अग्निहोत्री

उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि हिमाचल की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 5 सौ 50 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं। शिमला से जारी एक प्रैस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा है कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सरकार द्वारा लगभग 50 करोड़ रुपये की राशि प्राचीन मंदिरों, किलों और पुरातात्विक महत्त्व के स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृत की गई है। इसमें से राज्य के अधिगृहीत मंदिरों में विभिन्न विकासात्मक कार्यों के लिए 37 करोड़ रुपये का सहायतानुदान प्रदान किया गया है। अग्निहोत्री ने कहा कि प्रसाद योजना के तहत माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर के लिए 56 करोड़ 26 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक विरासत को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रदेश सरकार द्वारा सांस्कृतिक धरोहरों के अनुरक्षण के लिए सवा 11 करोड़ रुपये और आवर्ती निधि योजना के अंतर्गत धार्मिक संस्थानों को वार्षिक पूजा–अर्चना व परिसंपत्तियों के विकास के लिए एक करोड़ रुपये का सहायता अनुदान भी स्वीकृत किया गया है।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश इलाकों में आज भी मॉनसून की वर्षा रुक–रुक कर जारी है जिससे जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में 3 नेशनल हाईवे और 4 सौ 32 सड़कें भूस्खलन से बंद पड़ी हैं। इसके अलावा 5 सौ 34 बिजली ट्रांसफार्मर और एक सौ 97 पेयजल योजनाएं भी ठप पड़ी हैं। इस मानसून सीजन में अब तक राज्य में 132 लोगों की मौत हो चुकी है, 2 सौ 23 लोग घायल और 34 लोग लापता हैं। लगातार बारिश से मंडी जिला में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं और आपदा प्रभावित थुनाग,करसोग और सुंदरनगर उपमण्डल की निहरी तहसील में आज सभी शैक्षणिक संस्थान बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे पर दवाड़ा, झलोगी और शनि मंदिर के पास भारी भूस्खलन से सड़क बंद पड़ी है और सैंकड़ों वाहन व यात्री फंसे हुए हैं। छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है, लेकिन बड़े वाहन अभी भी रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग ने आज भी राज्य के अधिकतर इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 23 से 25 जुलाई तक भी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

सुखविंद्र–जयराम

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मौजूदा स्थिति के दृष्टिगत अधिकारियों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा को देखते हुए आवश्यक सेवाओं को सुचारू करने में तेजी लाई जाए। दूसरी ओर विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि मंडी जिला में मानसून की इस वर्षा ने भारी तबाही मचाई है और सिराज विधानसभा क्षेत्र में

लोग आपदा के 20 दिन बाद भी अस्थायी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। शिमला में एक पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि सरकार को राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लानी होगी। इस दौरान जयराम ठाकुर ने बादल फटने की घटनाओं के कारणों का अध्ययन करने की जरूरत पर भी बल दिया।

फसल बीमा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत सिरमौर जिला के किसान मक्की और धान की फसलों का बीमा अब 31 जुलाई तक करवा सकते हैं। जिला कृषि उप निदेशक राजकुमार ने बताया कि इन फसलों का बीमा करवा कर किसान फसलों की बुआई से लेकर कटाई तक, प्राकृतिक आपदाओं जैसे सूखा, बाढ़, आग, भूमि कटाव के जोखिम से फसलों को सुरक्षित कर सकते है। उन्होंने बताया कि मक्की और धान दोनो फसलों के लिए बीमित राशि 60 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर है जिसमें किसानों को बीमित राशि का मात्र 2 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा जबकि शेष प्रीमियम राशि का भुगतान केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

———————————————————